Need to start construction of ropeway in Jalore Fort in Rajasthan and take measures for inclusion of the Fort in the list of UNESCO world heritage sites? Laid

श्री लुम्बाराम चौधरी **(**जालौर**) :** जालोर का स्वर्णगिरि दुर्ग एक हजार साल का ऐतिहासिक वैभव समेटे हुए हैं । दुर्ग का निमार्ण 10 वीं शताब्दी मे हुआ । इस दुर्ग से स्थापत्य कला का सौन्दर्य झलकता है । यह राज्य सरकार के पुरातत्व विभाग की धरोहर है एवं वर्ष 1956 से संरक्षित स्मारक है । इस दुर्ग तक पहुंचने के लिए करीब 2 हजार सीढ़ियां हैं । वर्ष 2017-18 में राजस्थान में विरासत परिपथ के विकास के लिए परियोजना को स्वीकृति प्रदान करते हुए भारत सरकार द्वारा जालौर किले तक रोप-वे के निर्माण हेतु 8.82 करोड़ रुपये की राशि की मंजूरी दी गई थी । जिसमें से 7 करोड़ रुपए रोप-वे के निर्माण में व्यय किए जाने है । शेष राशि को पर्यटन सुविधा केंद्र धरातल पार्किंग, सीढ़ियों, रेलिंग, पेयजल, स्वच्छता, बैठने के लिए बेंच आदि पर व्यय किया जाना है । हालांकि उक्त कार्य की निधि के जारी होने की तिथि से अगले 18 महीने में पूरा किया जाना था लेकिन दुर्भाग्यवश 8 सालों का समय बीत जाने के बावजूद इस पर निर्माण कार्य आरंभ नही किया गया है । अतः सरकार से अनुरोध है कि जालौर दुर्ग को यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची मे शामिल कराने तथा जल्द से जल्द रोप- वे का निमार्ण पूर्ण करवाने के आदेश जारी करने की कृपा करें ।